विवरणिका

सत्र 2020–21

महिला विद्यालय डिग्री कालेज

21, गंगा प्रसाद रोड, अमीनाबाद, लखनऊ।
पिनः–226018, दूरभाषः–0522–2645435

महिला विद्यालय (सोसाइटी)

दृष्टिकोण

हम अपने महाविद्यालय में आने वाले विद्यार्थियों के आत्मविश्वासी, सहृदय, सहयोगी एवं समाज के मुखर सदस्य के रूप में प्रस्फुटन में प्रयासरत रहेंगें, जो हमारे राष्ट्र के विकास में प्रभावी योगदान दे सकें। हम विद्यार्थियों को उनके द्वारा चयनित विषयों के शिक्षण के अतिरिक्त उनकी जिज्ञासु एवं नवोन्मेषी प्रवृत्ति को प्रोत्साहित एवं पोषित करेंगे। इस साध्य हेतु, हम उन्हें आवश्यक जीवन एवं व्यावसायिक कौशल प्रदान करेंगे जो उनके व्यक्तित्व के विकास तथा रोजगारपरक एवं उद्यमिता के गुणों के अभिवर्धन में सहायक हों।

मिशन वक्तव्य

शैक्षणिक वर्ष 2020–21 में हम अभिनव और उत्तम शिक्षण के माध्यम से शैक्षणिक स्तर को उन्नत करने के अतिरिक्त, अपने विद्यार्थियों के लिए विभिन्न व्यवसायिक एवं व्यक्तित्व विकास कौशल सीखने का विकल्प प्रदान करेंगे जो प्रतिष्ठित संस्थानों तथा संबंधित क्षेत्रों के प्रख्यात व्यक्तियों के सहयोग से संचालित होंगे जिससे उनके समग्र व्यक्तित्व का विकास, रोजगार क्षमता एवं उद्यमिता के अभिवर्धन में, हमारे लक्ष्य के अनुरूप सहायक हो सके।

विषय सूची

1.	महिला विद्यालय डिग्री कालेज का इतिहास	**03**
2.	अवसंरचनात्मक सुविधाएँ	**06-11**
3.	महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम	**12-13**
4.	शुल्क विवरण	**14-15**
5.	आरक्षण एवं भारण	**16-17**
6.	प्रवेश प्रक्रिया	**18-19**
7.	महाविद्यालय के नियम और अनुशासन	**20-21**
8.	शैक्षणिक कैलेंडर	**22**
9.	महाविद्यालय प्रबन्धन समिति	**23**
10.	महाविद्यालय की शिक्षिकाऐं	**24**
11.	महाविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी	**25**
12.	कुलगीत	**26**

महिला विद्यालय डिग्री कालेज का इतिहास

उत्तर भारत के विशालतम महिला शिक्षा केन्द्र के रूप में 125 वर्षीय पुरातन् प्रतिष्ठित महिला विद्यालय डिग्री कालेज का बीजारोपण अमीनाबाद क्षेत्र के एक छोटे से किराये के घर में हुआ था। समाज के प्रति जागरूक एवं जनभावनाओं से ओतप्रोत लखनऊ नगर के कुछ प्रबुद्ध एवं प्रतिष्ठित नागरिकों ने स्त्री शिक्षा की महत्ता को ध्यान में रखकर एक छोटी सी संस्था ''द हिन्दू गर्ल्स स्कूल'' के नाम से आरम्भ की थी। जिसके अपने भवन का शिलान्यास गंगा प्रसाद रोड पर स्थित वर्तमान परिसर में दिनांक 09 मार्च सन् 1895 ई. को तत्कालीन ''यूनाइटेड प्राविन्सेज़ ऑफ आगरा एण्ड अवध'' के शिक्षा मंत्री रहे, सर सी.वाई. चिन्तामणि द्वारा किया गया था। यह शिलालेख आज भी विद्यालय परिसर में अपने अतीत की गौरव गाथा का उल्लेख करता है। दिनांक 26 फरवरी सन् 1922 ई0 को ''द हिन्दू गर्ल्स स्कूल'' का नाम बदल कर ''महिला विद्यालय'' रखा गया। "द हिन्दू गर्ल्स स्कूल" नाम का वह नन्हा सा पौधा शनैः शनैः प्रगति करते हुये आज महिला विद्यालय डिग्री कालेज के रूप में स्थापित है।

कालान्तर में संस्था का प्रबन्धन "महिला विद्यालय" नाम से स्थापित एवं रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाईटीज एवं चिट्स, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत समिति द्वारा किया जाने लगा।

आरम्भ से ही इस संस्था को लखनऊ नगर के सम्पन्न एवं जागरूक नागरिकों का संरक्षण, सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त होता रहा है जिसमें इन्डियन नेशनल कांग्रेस के बाबू गंगा प्रसाद वर्मा जी, जिन्होने लखनऊ नगर में अमीनाबाद, लाटूश रोड, गुईन रोड आदि क्षेत्रों का नियोजन एवं निर्माण भी करवाया, तत्कालीन चीफ कोर्ट ऑफ अवध के न्यायाविद् रहें एवं प्रतिष्ठित राजनीतिक व्यक्तित्व के धनी स्व0 गोकरन नाथ मिश्रा, चीफ कोर्ट ऑफ अवध के ही चीफ जज, स्व0 सर विशेश्वर नाथ श्रीवास्तव, लखनऊ नगर के एक समय में म्युनिसिपल बोर्ड के चेयरमैन रहे, स्व0 बाबू विशम्भर नाथ श्रीवास्तव, दादा जी के नाम से प्रसिद्ध स्व0 विशेश्वर नाथ, लखनऊ के प्रतिष्ठित अधिवक्ता रहें स्व0 राय बहादुर बाबू राम प्रसाद वर्मा, आल इन्डिया बार काउसिंल के चेयरमैन रहे, स्व0 बाबू हरगोविन्द दयाल श्रीवास्तव, तत्कानील प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के प्रमुख संस्थापकों में से एक, स्व0 बाबू त्रिलोकी सिंह, प्रसिद्ध अधिवक्ता रहे स्व. बाबू अनंत प्रसाद निगम, स्व0 बाबू गिरिजा शंकर श्रीवास्तव एवं लखनऊ नगर के प्रथम नगर प्रमुख स्व. बाबू राज कुमार श्रीवास्तव आदि का योगदान अविस्मरणीय है। समाजसेवी, शिक्षाविद्, एवं राजनीतिज्ञ, स्व. बाबू सूरत बहादुर शाह, एशिया के जाने माने हड्डी रोग विशेषज्ञ, पदम्श्री स्व0 डा0 बी0एन0 सिन्हा, इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के अवकाश प्राप्त न्यायमूर्ति, स्व0 उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, स्व0 भूपेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, लखनऊ के पूर्व नगर प्रमुख एवं प्रतिष्ठित शल्य चिकित्सक पदम्श्री डॉ0 एस0सी0 राय, इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के वरिष्ठ अधिवक्ता स्व0 उमेश चन्द्र जी आदि का महत्वपूर्ण योगदान महिला विद्यालय डिग्री कालेज को प्रतिष्ठित महाविद्यालयों की श्रेणी में स्थापित करने में रहा है।

वर्तमान में महिला विद्यालय संस्था के अध्यक्ष पद पर श्री आलोक रंजन, आई0ए0एस0 (सेवानिवृत्त), पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन एवं पूर्व मुख्य सलाहकार, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश आसीन है एवं डा0 अनिल के0 श्रीवास्तव, पूर्व प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, एवं मुख्य सलाहकार, क्वालिटी काउन्सिल ऑफ इण्डिया, संस्था के प्रबन्धक एवं सचिव के पद पर अवैतनिक रूप से पदासीन है।

''द हिन्दू गर्ल्स स्कूल'' से महिला विद्यालय तक की अविस्मरणीय यात्रा में तत्कालीन प्रधानाचार्य स्व0 सुश्री ई0एम0 दुबे का उल्लेख करना आवश्यक होगा। इन्हीं के कार्यकाल में संस्था का मुख्य रूप से अभिवर्धन हुआ। सन् 1928 ई0 में महिला विद्यालय को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा हाईस्कूल स्तर की तथा सन् 1936 ई0 में इण्टरमीडिएट स्तर की मान्यता मिली। सन् 1939 ई0 में लखनऊ विश्वविद्यालय ने महिला विद्यालय को सहयुक्तता प्रदान कर बी0ए0 डिग्री की कक्षाएँ आरम्भ करने की अनुमति प्रदान की जिससे महिला विद्यालय, इण्टरमीडिएट कालेज से आगे बढ़ कर महिला विद्यालय

डिग्री कालेज बना।

कालान्तर में डॉ0 कंचनलता सब्बरवाल जी के प्राचार्या कार्यकाल में सन् 1952 ई0 में एल0टी0, बी0एड0 पाठ्यक्रम, तथा सन् 1962 ई0 में तथा बी0एस0सी0 कक्षायें आरम्भ हुई। तदोपरान्त प्राचार्या डॉ0 मनोरमा तिवारी जी के कार्यकाल में सन् 1983 ई0 में बी0काम0 तथा सन् 1985 ई0 में गृह विज्ञान विषय में बी0ए0 तथा बी0एस0सी0 स्तर की कक्षाएँ प्रारम्भ हुई। इसी क्रम में प्राचार्या, सुश्री सरिता वर्मा के कार्यकाल में सन् 2001 में, स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम व्यवस्था के अन्तर्गत कम्प्यूटर साइंस एवं सांख्यिकी में बी0एस0सी0, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विषय में बी0एस0सी0 एवं बी0ए0 तथा सांख्यिकी में बी0ए0 की कक्षाएँ संचालित होना आरम्भ हुई।

सन् 2014 ई0 में महिला विद्यालय के डिग्री विभाग ने 75 वर्ष पूर्ण किये। इस उपलक्ष्य में दिनांक 24–12–2014 से 27–12–2014 तक महाविद्यालय में महिला विद्यालय डिग्री कालेज में तीन दिवसीय प्लैटिनम जुबली समारोह आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश शासन के तत्कालीन मुख्य सचिव श्री आलोक रंजन ने किया। प्लैटिनम जुबली समारोह के अन्तर्गत आयोजित 'रोजगार परक शिक्षा शीर्षक सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित रहें प्रोफेसर महेन्द्र सिंह सोढा द्वारा ''Linking Education with Employability'' विषय में संयोजित पैनल वार्ता में उद्योग एवं शिक्षा जगत की विभिन्न लब्ध प्रतिष्ठित विभूतियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये जिसकी चर्चा उद्योग एवं शिक्षा जगत में काफी दिनों तक रही। इस सत्र के समापन समारोह में भारत सरकार के तत्कालीन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री, माननीय श्री कलराज मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। प्लैटिनम जुबली समारोह के समापन सत्र में भारत सरकार के तत्कालीन गृह मंत्री, माननीय श्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें जिसमें सम्पन्न हुई विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत महाविद्यालय की पूर्व शिक्षिका श्रीमती उषा सक्सेना के निर्देशन में महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत, महाकवि मलिक मोहम्मद जायसी के काव्य ग्रंथ, पद्मावत पर आधारित नृत्य नाटिका बारहमासा विशेष रूप से चर्चित रही।

महिला विद्यालय गत 125 वर्षो से लखनऊ नगर की आदि काल से विशेषता रही गंगा जमुनी संस्कृति को पोषित करने हेतु जाना जाता रहा है। आरम्भ से ही यहॉ समाज के सभी धर्म, जाति एवं अन्य वर्गो से आयी हुई छात्राओं, विशेषकर आर्थिक रूप से पिछड़े एवं कमजोर वर्ग की छात्राओं का समावेश रहा है।

पूर्व में महिला विद्यालय से शिक्षा प्राप्त छात्रायें समाज के विभिन्न क्षेत्रों में जैसे अन्तरिक्ष विज्ञान, प्रशासनिक, विधि एवं न्याय, शिक्षा आदि में शीर्ष स्थानों पर रहकर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराती रही हैं। उदाहरण के तौर पर प्रो. रूपरेखा वर्मा, लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग में कई वर्षों तक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष के पद पर रही एवं लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति, रही। महिला विद्यालय की वर्तमान प्रबन्ध समिति में वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रोफेसर रश्मि राय चौधरी लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान के पद पर रह कर सेवानिवृत्त हुई। वर्तमान प्रबन्ध समिति की वरिष्ठ सदस्या प्रो0 उषा सिन्हा लखनऊ विश्वविद्यालय के भाषा विज्ञान विभाग में कई वर्षों तक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष के पद पर आसीन रही। बीरबल साहनी इन्स्टीट्यूट ऑफ पेलियोबाटनी (BSIP) की वर्तमान निदेशक, डा0 वन्दना प्रसाद एवं इन्डियन स्पेस रिसर्च आरगनाईज़ेशन (ISRO) की रॉकेट वुमेन ऑफ इण्डिया के नाम से विख्यात, मिशन डायरेक्टर चन्द्रयान–2 डा0 रितु कारिढाल ने भी महिला विद्यालय से ही शिक्षा प्राप्त की।

इसके अतिरिक्त इलाहाबाद उच्च न्यायालय से अवकाश प्राप्त न्यायमूर्ति, श्रीमती शोभा दीक्षित, पूर्व में सांसद रहीं, सुश्री प्रेमवती तिवारी, जोधपुर विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग में प्रोफेसर एवं अध्यक्ष के पद पर आसीन रहीं, हिन्दी साहित्य की प्रतिष्ठित कवियित्री, स्व0 डा0 रमा सिंह, लखनऊ नगर की प्रतिष्ठित स्त्री रोग विशेषज्ञ, डा0 सरोज श्रीवास्तव, लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग में कई वर्षों तक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष के पद पर आसीन रहीं, प्रोफेसर

आभा अवस्थी, प्रतिष्ठित संस्कृत कवियित्री, डा0 नवलता आदि भी इसी महाविद्यालय की पूर्व छात्रायें रहीं है जिन्होंने कालान्तर में देश विदेश में महिला विद्यालय का नाम रोशन किया है।

महिला कालेज की वर्तमान उपलब्धियां

इन्स्टीट्यूट ऑफ कैरियर एण्ड प्रोफेशनल स्टडीज़ एवं इन्स्टीट्यूट ऑफ स्किल डेवलपमेन्ट एण्ड वोकेशनल स्टडीज महिला विद्यालय प्रबन्ध तंत्र ने महाविद्यालय में अघ्यनरत छात्राओं के भविष्य संवारने हेतु एवं उनके कैरियर के चुनाव हेतु तथा उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये तैयार करने के लिये महिला विद्यालय परिसर में गत वर्ष दो नये इन्स्टीट्यूट्स, इन्स्टीट्यूट ऑफ कैरियर एण्ड प्रोफेशनल स्टडीज एवं इन्स्टीट्यूट ऑफ स्किल डेवलपमेन्ट एण्ड वोकेशनल स्टडीज की स्थापना की है।

इन्स्टीट्यूट ऑफ कैरियर एण्ड प्रोफेशनल स्टडीज के अन्तर्गत महाविद्यालय में अघ्यनरत छात्राओं के लिये उनके नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन किया जाता है जिसमें छात्राएँ पब्लिक स्पीकिंग, डिबेटिंग, अंग्रेजी एवं हिन्दी लेखन आदि भी सीखती है। जिससे न केवल उनके व्यक्तित्व का विकास होता है बल्कि उन्हें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु आधार भी प्राप्त होता है। विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा भाषण भी दिये जाते है। यह कक्षाएँ नियमित कक्षाओं के बाद पूर्णतः स्वैच्छिक आधार पर संचालित होती है। इन कक्षाओं में भाग लेने हेतु इच्छुक छात्राओं को रू0 1000/– का अतिरिक्त वार्षिक शुल्क देना होता है।

इसी क्रम में इन्स्टीट्यूट ऑफ स्किल डेवलपमेन्ट एण्ड वोकेशनल स्टडीज के तत्वाघान में महिला विद्यालय ने रोजगार परक शिक्षा एवं स्किल डेवलपमेन्ट एण्ड वोकेशनल स्टडीज के क्षेत्र में कार्यरत कुछ प्रतिष्ठित संस्थाओं, जैसे UPTEC, VLCC आदि के साथ Memorandum of Understanding (MOU) भी sign किया है जिसके तहत ये संस्थायें अपने रोजगार परक शिक्षा एवं स्किल डेवलपमेन्ट एण्ड वोकेशनल स्टडीज से संबन्धित पाठ्यक्रम की कक्षायें महिला विद्यालय परिसर में ही आयोजित करेंगीं जिससे इन पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण करने को इच्छुक महाविद्यालय की छात्राओं को बाहर न जाना पड़े। यह कक्षाएँ भी महाविद्यालय के कक्षाओं के समय के बाद होगी तथा इनमें भाग लेने के लिये इच्छुक छात्राओं को निर्धारित शुल्क देना होगा।

अवसंरचनात्मक सुविधाएँ

महाविद्यालय परिसर लगभग 7 एकड़ में फैला हुआ है परिसर में चारों तरफ अशोक, नीम, पीपल व अन्य कई तरह के वृक्ष से वातावरण स्वच्छ रहता है। महाविद्यालय में छात्राओं की आधारभूत सुविधाओं की व्यवस्था में सीवर व्यवस्था से युक्त शौचालयों, सभी पेय जल व्यवस्था की वर्ष में तीन बार वैज्ञानिक विधि से सफाई, पीने के पानी के लिये (Aquaquard) युक्त वाटर कूलर सोलर लाइटों से युक्त मार्ग प्रकाश व्यवस्था, चौबीस घंटे बिजली की आपूर्ति हेतु 30 के0वी0 के दो जनरेटरों की व्यवस्था है। सम्पूर्ण महाविद्यालय वाई0फाई0 जोन है। छात्राओं के वाहनों की पार्किंग हेतु उचित एवं सुरक्षित व्यवस्था है। विद्यालय पूर्णतयाः पॉलीथीन मुक्त क्षेत्र है। यहॉ छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था हेतु 24X7 पर्याप्त कुशल गार्ड नियुक्त है।

लाइब्रेरी

महाविद्यालय परिसर में ज्ञानार्जन हेतु विविध विषयों की लगभग 40,000 उपयोगी तथा दुर्लभ पुस्तकों से सुसज्जित स्व0 भूपेन्द्र नाथ श्रीवास्तव स्मारक पुस्तकालय है, तथा अध्ययन के लिये एक पृथक वाचनालय की भी व्यवस्था है। पुस्तकालय में योग्य व सक्षम स्टाफ छात्राओं की मदद के लिये उपलब्ध है। पुस्तकालय में सभी महत्वपूर्ण समाचार पत्र तथा पत्रिकाऐ नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाती है। शैक्षिक सत्र के प्रारम्भ में नई छात्राओं के लिये ओरियन्टेशन प्रोग्राम चलाकर कालेज में पढ़ाये जाने वाले समस्त विषयों से सम्बन्धित पुस्तकों व अन्य पत्र पत्रिकाओं के विशाल संग्रह की जानकारी दी जाती है। महाविद्यालय में आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को पुस्तकालय की पुस्तक निधि से पूरे सत्र के लिए पाठ्य पुस्तके पुनः वापसी के आधार पर देने का प्रावधान है।

कालेज में प्रवेश लेने वाली प्रत्येक छात्रा को पुस्तकालय का सदस्य बनने के लिए पुस्तकालय कार्ड बनवाना अनिवार्य है। प्रत्येक छात्रा को पुस्तकालय एवं वाचनालय के सम्बन्ध में नियमों का पालन करना होगा।

प्रयोगशालायें

महाविद्यालय में मनोविज्ञान, मानव शास्त्र, गृह विज्ञान, बी0एड0, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान जीव विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान प्रयोगशालायें पर्याप्त संख्या में नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित और क्रियाशील है।

कान्फ्रेन्स हाल

सेमीनार, वर्कशाप, अतिथि व्याख्यान तथा शौक्षिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु समुचित सुविधा सम्पन्न वातानुकूलित कान्फ्रेन्स हाल है। जिसमें मनोविज्ञान विभाग, अंग्रेजी विभाग तथा गृहविज्ञान द्वारा Relationship Management; Feminism and Quality of Life Challenges Ahead राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार भव्य तरीके से आयोजित किये गये है। कान्फ्रेन्स हाल में प्रोजेक्टर की भी व्यवस्था है। विषय को रोचक बनाने हेतु समय–समय पर डिजिटल माध्यम से भी शिक्षा दी जाती है।

क्रीड़ा स्थल

महाविद्यालय में क्रीड़ा कराने के लिए उत्तम क्रीडा स्थल की व्यवस्था है। महाविद्यालय में प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगितायें आयोजित की जाती है। जिनमें छात्राऐं अपनी अभिरूचि एवं प्रतिभा के अनुसार प्रतिभागिता करती है। क्रीड़ा सम्बन्धी गतिविधियों के संचालन हेतु प्राचार्या द्वारा क्रीड़ा समिति का गठन किया जाता है।

छात्रा सुविधा केन्द्र

महाविद्यालय परिसर में छात्राओं की सुविधा के लिए पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत छात्र सुविधा केन्द्र है, जहाँ प्रवेश से लेकर परीक्षा तक समस्त कार्यवाही व जानकारी हासिल की जा सकती है।

कैन्टीन

छात्राओं के जलपान की सुविधा हेतु विद्यालय में कैन्टीन है, जिसमें उचित मूल्य पर पौष्टिक आहार छात्राओं के स्वाद को ध्यान में रखकर उपलब्ध कराया जाता है। कालेज तथा प्रॉक्टोरियल बोर्ड खाने की गुणवक्ता पर नजर रखता है। रसोई की सफाई व स्वच्छता का प्रतिदिन निरीक्षण किया जाता है।

छात्रावास

महिला विद्यालय में छात्राओं हेतु समस्त सुविधाओं से युक्त छात्रावास की व्यवस्था है।

एन0एस0एस0

छात्राओं के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास हेतु एवं राष्ट्र के प्रति सेवाभाव को विकसित करने के लिए, महाविद्यालय में एन0एस0एस0 की चार इकाइयाँ कार्यरत है। जिसमें चार सौ छात्राएँ सहभागिता कर सकती है।

कार्यक्रम प्रभारीः– डा0 कृष्णा यादव, गणित विभाग।
श्रीमती रूचिरा राठौर, गृह विज्ञान विभाग।
डा0 मीनू मिश्रा, इतिहास विभाग।
डा0 सुषमा साहू, हिन्दी विभाग।

एन0सी0सी0

महाविद्यालय में 1963 से छात्राओं के लिए एन0सी0सी0 प्रारम्भ हुई थी, महाविद्यालय में वर्तमान समय में एन0सी0सी0 की एक इकाई कार्यरत है। जो छात्राओं में चरित्र निर्माण, एकता, अनुशासन, राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को जागृत करती है। छात्राओं की सेवा में सहभागिता हेतु उत्साहित भी करती है।

कार्यक्रम प्रभारीः– कैप्टन डा0 उषा रानी सिंह।

वर्तमान कोरोना संकटकाल में महाविद्यालय की एन0एस0एस0 के स्वयसेविकाओं एवं एन0सी0सी0 कैडेट्स द्वारा कार्यक्रम अधिकारियों के निर्देशन में अत्यन्त सराहनीय कार्य किये जा रहें है।

क्रीड़ा और खेल

बैडमिंटन, सॉफ्ट बॉल, वॉली बॉल, क्रिकेट, बास्केट बॉल और एथलेटिक्स जैसे विभिन्न खेलों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। सभी छात्राओं को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महाविद्यालय में वार्षिक अन्तर्समूह खेल सप्ताह में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिसमें छात्राऐ बहुत उत्साह के साथ प्रतिभाग करती है।

खेलकूद प्रभारीः– डॉ0 उत्तरा यादव ।

मेडिकल सुविधा

छात्राओं को स्वास्थ्य परामर्श और मेडिकल सुविधा प्रदान करने के लिए महाविद्यालय ने लखनऊ की एक प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ रेणु मक्कड (मक्कड़ मेडिकल सेंटर के पास, मोती महल लॉन, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ) साथ अनुबन्ध किया है। जिससे किसी भी आपात स्थिति में, छात्राओं को तत्काल चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा सके। महाविद्यालय में छात्राओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ''महिला विद्यालय सोसाईटी'' द्वारा कुशल होम्योपैथिक डाक्टर की सुविधा उपलब्ध है। जो प्रतिदिन परिसर में उपस्थित रहते है। जिनके द्वारा छात्राओं को निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

डॉ0 अशोक कुमार श्रीवास्तव, B.Sc, BMS

(पंजीकरण संख्या H19463), R / OC- 4895, सेक्टर 13, राजाजीपुरम, लखनऊ, सभी कार्य दिवसों में सुबह 11:30 बजे से 1:30 बजे तक

अन्य सुविधाएँ

महाविद्यालय में स्थान–स्थान पर सुझाव और शिकायत पेटिका लगी है जिसमें छात्रायें अपने सुझावों/शिकायतों से विद्यालय प्रशासन को अवगत करा सकती है। महाविद्यालय में छात्राओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुये ''सेनेटरी नैपिकन वेन्डिग मशीन'' की सुविधा उपलब्ध है।

छात्रा हेल्पलाइन (Student Helpline)

विद्यालय सदैव ही छात्राओं की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहता है। वर्तमान कोविड–19 संकट काल में लॉकडाउन के दौरान छात्राएँ चिन्ता एवं तनाव से मुक्त रहें, तथा मानसिक एवं मनोवैज्ञानिक रूप से स्वस्थ रहें इस उद्देश्य से विद्यालय में छात्रा हेल्पलाइन निर्मित की गई है। जो विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा संचालित की जाती है। छात्रायें किसी भी कठिन परिस्थिति में अपनी समस्या के समाधान हेतु फोन पर संबंधित शिक्षिकाओं से सम्पर्क कर सकती है।

डा0 रमा जैन	8840978435
डा0 पंकज बाला श्रीवास्तव	9415414494
डा0 रंजना अग्रवाल	9451064039
डा0 रश्मि श्रीवास्तव	9935394231
डा0 प्रज्ञा	9919751941
डा0 प्रमिला तिवारी	9450903622
डा0 लीना	8318556048

महाविद्यालय समितियाँ

महाविद्यालय परिसर में शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने और प्राचार्य की सहायता के लिए, सामान्य प्रशासन में, शिक्षकाओं और छात्राओं की समान भागीदारी के साथ विभिन्न समितियों के लिए प्रावधान किया जाता है।

समिति	प्रभारी
प्रॉक्टोरियल बोर्ड	डॉ0 मीनू मिश्रा
प्रवेश समिति	श्रीमती रुचिरा राठौर
छात्र सहायता समिति	डॉ0 अंजना सिन्हा
सांस्कृतिक गतिविधियाँ समिति	श्रीमती अंजली शर्मा
खेल समिति	डॉ0 उत्तरा यादव
पुस्तकालय समिति	डॉ0 रंजना अग्रवाल
एंटी रैगिंग कमेटी	कैप्टन उषा रानी सिंह
शिकायत निवारण समिति	श्रीमती इन्द्रा शुक्ला
यौन उत्पीड़न समिति (आंतरिक शिकायत समिति)	डॉ0 रमा जैन
छात्रवृत्ति समिति	श्रीमती इन्द्रा शुक्ला, नोडल अधिकारी
शैक्षणिक समिति	डॉ0 पंकज बाला श्रीवास्तव
कैरियर परामर्श और प्लेसमेंट समिति	डॉ0 इंदिरा शुक्ला
मीडिया समिति	श्रीमती लीना

शिकायत निवारण प्रकोष्ठ

इस कॉलेज के पास अपने हितधारकों की शिकायतों के निवारण के लिए एक प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र है। छात्र अकादमिक मामलों, वित्तीय मामलों, पुस्तकालय और अन्य केंद्रीय सेवाओं के बारे में अपनी शिकायत के लिए समिति के सदस्यों से संपर्क करते हैं। छात्र सीधे अपनी शिकायतों के निवारण के लिए प्रिंसिपल से संपर्क कर सकते हैं या वे शिकायत बॉक्स में अपने लिखित सुझाव/शिकायत को छोड़ सकते हैं।

समिति प्रभारीः– श्रीमती इन्द्रा शुक्ला, अर्थशास्त्र विभाग

यौन उत्पीड़न समिति (आंतरिक शिकायत समिति)

यह समिति छात्राओं, शिक्षकाओं और कर्मचारियों द्वारा किए गए यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच करने और महिलाओं के मुद्दों और लैंगिक भेदभाव पर छात्राओं कों जागरूक करने हेतु लिए स्थापित की गई है। यह समिति औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरीकों से काम करती है, जैसे कि कार्यशालाओं का आयोजन, समूह चर्चाओं का आयोजन, नुक्कड़ नाटक, अतिथि वक्ताओं को आमंत्रित करना और वाद विवाद का आयोजित करना।

समिति प्रभारीः–डॉ0 रमा जैन, गणित विभाग।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC)

कॉलेज में संस्थान के समग्र प्रदर्शन के सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक सुधार के लिए एक प्रणाली विकसित करने के लिए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC) है, जो समग्र शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में संस्था के सभी प्रयासों और उपायों को दिशा प्रदान करता है।

समिति प्रभारीः–डॉ0 राम जैन गणित विभाग

SWYAM NPTEL लोकल चैप्टर (ID 3768)

महाविद्यालय का अपना लोकल चैप्टर **SWYAM NPTEL** मानव संसाधन विकास मंत्रालय IITs मद्रास और IISE की एक संयुक्त पहल है। लोकल चैप्टर के माध्यम से छात्राओं को इंजीनियरिंग, विज्ञान, प्रबन्धन एवं कला की विभिन्न धाराओं में निःशुल्क ऑनलाइन शिक्षण एवं सर्टिफिकेशन प्रदान करतें है। महाविद्यालय फरवरी–2019 से **SWYAM NPTEL** लोकल चैप्टर से जुडा है तथा छात्राओं को आनलाइन पढाई को बढावा देता है।

संपर्क का एकल बिंदु (SPOC):– डॉ0 प्रज्ञा, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग

क्लब

छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से विभिन्न क्लबों के एक माध्यम के रूप में स्थापित किया गया है जिसका छात्राऐं लाभ उठा सकती हैं। छात्राओं को कम से कम एक क्लब में सम्मिलित होना अनिवार्य है।

क्लब	क्लब प्रभारी का नाम
क्रिएटिव राइटिंग क्लब	डॉ0 नीलम श्रीवास्तव, हिंदी विभाग।
एलोक्यूशन एंड डिबेट क्लब	डॉ0 कृष्णा यादव, गणित विभाग।
सॉफ्ट स्किल्स क्लब	डॉ0 अंजना सिन्हा, प्राचीन भारतीय इतिहास।
क्रिएटिव आर्ट्स क्लब	डॉ0 वंदना सिंह, गृह विज्ञान विभाग।
क्विज क्लब	डॉ0 रमा जैन, गणित विभाग।
स्वास्थ्य परामर्श क्लब	डॉ0 सविता अहलूवालिया, गृह विज्ञान विभाग।
बागवानी क्लब	डॉ0 सविता अहलूवालिया, गृह विज्ञान विभाग।
विज्ञान क्लब	डॉ0 रमा जैन, गणित विभाग।

रोड सेफ्टी क्लब

हमारे कॉलेज में सड़क सुरक्षा क्लब की स्थापना राज्य सरकार के कार्यक्रम iSAFE ''सुरक्षित भारत पहल'' के तहत की गई है। iSAFE का उद्देश्य युवाओं में जागरूकता फैलाना और जागरूकता पैदा करने के लिए एक संसाधन के रूप में उनका उपयोग करना है। कार्यक्रम का दीर्घकालिक उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं एवं उससे होने वाली मौतों की संख्या को कम करना है। क्लब के फैकल्टी समन्वयक परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश और भारतीय सड़क सुरक्षा अभियान (IRSC) के विशेषज्ञों की सलाह के तहत छात्रों के साथ काम करते हैं।

समन्वयकः– जया पांडे, समाजशास्त्र विभाग

छात्र संघ

छात्रसंघ एक निर्वाचित निकाय है जो महाविद्यालय और उसके छात्राओं के बीच समन्वय के लिए उत्तरदायी है। महाविद्यालय के सभी नियमित छात्राऐं छात्र संघ के सदस्य होते है। छात्रसंघ महाविद्यालय के प्रत्येक कार्यक्रम को एक शानदार सफलता बनाने के लिए विभिन्न विषयों के छात्र प्रतिनिधियों के साथ मिलकर कार्य करता है। छात्रसंघ प्राचार्या के नेतृत्व तथा शिक्षक परामर्शदात्री समिति के निर्देशन मे प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन करता है जैसे स्वतंत्रता दिवस समारोह, फ्रेशर्स ओरिएंटेशन, वार्षिक एक साथ और बहुप्रतीक्षित वार्षिक इंटरकॉलेजिएट सांस्कृतिक उत्सव –

वार्षिक कॉलेज पत्रिका ''अभिव्यक्ति''

''अभिव्यक्ति'' महाविद्यालय की एक वार्षिक पत्रिका है, इसकें माध्यम से छात्राओं को रचनात्मक लेखन के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। छात्राओं के लेखों, कविताओं, कहानियों आदि को पत्रिका में स्थान दिया जाता है। छात्राऐं अपनी रचनाओं को जब विद्यालय पत्रिका में देखती हैं तब वह अपने को गौरवान्वित महसूस करती हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

सभी उच्च शिक्षा संस्थानों तथा एमएचआरडी से जुडने के लिये महाविद्यालय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करके अपनी उपलब्धियों तथा गतिविधियों को साझा करता है।

कॉलेज का फेसबुक पेज "Mahila Vidyalaya Degree College, Aminabad, Lucknow.

कॉलेज का यूट्यूब चैनल Mahila Vidyalaya

प्रभारीः– श्रीमती लीना, सोशल मीडिया चैंम्पियन (एसएमसी)

शिक्षक दिवस

हमारे पर्यावरण को समृद्ध बनाने के लिए इस दिन को वृक्षारोपण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन कॉलेज में प्रबन्ध समिति के सदस्य, शिक्षिकाऐं, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, एवं छात्राऐं सभी मिलकर पौधे लगाते हैं।

विद्यालय वार्षिक दिवस और पुरस्कार वितरण समारोह ''तरंगिनी''

महाविद्यालय प्रत्येक वर्ष वार्षिकोत्सव का आयोजन करता है। यह वार्षिकोत्सव अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिता ''तरंगिनी'' कार्यक्रम के साथ सम्पन्न होता है। इस दिवस को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं गतिविधियो का आयोजन किया जाता है। वार्षिक दिवस समारोह में प्राचार्या द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है जिसमें विद्यालय की उपलब्धियों एवं छात्राओं की शैक्षणिक एवं पाठ्येत्तर उपलब्धियों की जानकारी दी जाती है। इस अवसर पर मेधावी छात्राओं को मेडल व प्रमाण पत्र भी वितरित किये जाते है।

स्थापना दिवस

बसंत पंचमी हमारा स्थापना दिवस है और हम सभी पीले रंग के कपड़े पहनते हैं। ''हवन'' किया जाता है और प्रसाद वितरित किया जाता है। कॉलेज कोरस ''कुलगीत'' गाया जाता है और हमारे संस्थापक पिता को याद किया जाता है। छात्रावास में सरस्वती पूजा की जाती है और अखंड रामायण पाठ रखा जाता है।

महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम

विज्ञान संकाय

बी0एस0सी0 (गणित वर्ग)

इण्टरमीडिएट विज्ञान (गणित वर्ग) या समकक्ष परीक्षा सामान्य एवं ओ॰बी॰सी॰ वर्ग के अभ्यर्थियों के कम से कम 40% अंक एवं अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम प्राप्तांक 33% अनिवार्य है। यह प्रतिशत समस्त विषयों के प्राप्ताँकों पर आधारित है।

विषय वर्ग	समय	सीट
भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित	6 सेमेस्टर (3वर्ष)	120

बी0एस0सी0 (सांख्यिकी एवं कम्प्यूटर विज्ञान)(स्ववित्तपोषित वर्ग)

इण्टरमीडिएट विज्ञान (गणित वर्ग) या समकक्ष परीक्षा सामान्य एवं ओ॰बी॰सी॰ वर्ग के अभ्यर्थियों के कम से कम 40% अंक एवं अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम प्राप्तांक 33% अनिवार्य है। यह प्रतिशत समस्त विषयों के प्राप्ताँकों पर आधारित है।

विषय वर्ग	समय	सीट
भौतिक विज्ञान, गणित, कम्प्यूटर विज्ञान	6 सेमेस्टर (3वर्ष)	सांख्यिकी (60 सीट) कम्प्यूटर विज्ञान (60 सीट)
सांख्यिकी, गणित, कम्प्यूटर विज्ञान	6 सेमेस्टर (3वर्ष)	
भौतिक विज्ञान, गणित, सांख्यिकी	6 सेमेस्टर (3वर्ष)	

बी0एस0सी0 (जीव विज्ञान वर्ग)

इण्टरमीडिएट विज्ञान (जीवविज्ञान वर्ग) या समकक्ष परीक्षा सामान्य एवं ओ॰बी॰सी॰ वर्ग के अभ्यर्थियों के कम से कम 40% अंक एवं अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम प्राप्तांक 33% अनिवार्य है। यह प्रतिशत समस्त विषयों के प्राप्ताँकों पर आधारित है।

विषय वर्ग	समय	सीट
जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान	6 सेमेस्टर (3वर्ष)	240
जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, मानवशास्त्र	6 सेमेस्टर (3वर्ष)	60

बी0एस0सी0 (गृह विज्ञान वर्ग)

इण्टरमीडिएट विज्ञान (जीवविज्ञान वर्ग) या समकक्ष परीक्षा सामान्य एवं ओ॰बी॰सी॰ वर्ग के अभ्यर्थियों के कम से कम 40% अंक एवं अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम प्राप्तांक 33% अनिवार्य है। यह प्रतिशत समस्त विषयों के प्राप्ताँकों पर आधारित है।

विषय वर्ग	समय	सीट
Group I Food Nutrition **Group II** Human Development and Extension Education **Group III** Resource Management and Textiles	6 सेमेस्टर (3वर्ष)	60

कला संकाय

बी0ए0

इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा में सामान्य एवं ओ॰बी॰सी॰ वर्ग के अभ्यर्थियों को कम से कम 40% अंक एवं अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम प्राप्तांक 33% अनिवार्य है। यह प्रतिशत समस्त विषयों के प्राप्ताँकों पर आधारित है।

विषय वर्ग	समय	सीट
Group A:- हिन्दी **Group B**:- अंग्रेजी **Group C**:- उर्दू **अथवा** संस्कृत **Group D**- प्राचीन भरतीय इतिहास **अथवा** इतिहास **अथवा** गणित **Group E**- दर्शनशास्त्र **Group F**- शिक्षाशास्त्र **अथवा** मनोविज्ञान **Group G**- अर्थशास्त्र **Group H**- गृह विज्ञान **Group I**- राजनीति शास्त्र **Group J**- समाजशास्त्र **अथवा** मानवशास्त्र	6 सेमेस्टर (3वर्ष)	900

नोट : बी.ए. में विषयों का चयन करते वक्त अग्रलिखित नियम ध्यान से पढें।

1. अभ्यर्थी को प्रवेश के समय तीन विषयों का चयन करना होगा। एक समूह में से केवल एक ही विषय चुना जा सकता है।
2. दो से अधिक साहित्य (विषय के रूप में) लेने की अनुमति नहीं है।
3. तीन प्रयोगात्मक विषय एक साथ नहीं लिये जा सकते है।
4. गणित विषय लेने के लिए इण्टरमीडिएट में गणित होना आवश्यक है।
5. हिन्दी साहित्य सम्मेलन मार्ग, प्रयाग अथवा नदवा कालेज, लखनऊ से उत्तीर्ण अभ्यर्थी यदि अंग्रेजी भाषा के साथ इण्टरमीडिएट स्तर उत्तीर्ण नहीं है तो प्रवेश हेतु अर्ह नहीं होगा।
6. हाई स्कूल/इण्टरमीडिएट में संस्कृत/उर्दू विषय पढ़ने वाली छात्रा को ही बी0ए0 में Group C से संस्कृत/उर्दू विषय मिल सकेगा।

बी0ए0(स्ववित्तपोषित श्रेणी)

इण्टरमीडिएट विज्ञान (गणित वर्ग) या समकक्ष परीक्षा सामान्य एवं ओ॰बी॰सी॰ वर्ग के अभ्यर्थियों के कम से कम 40% अंक एवं अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम प्राप्तांक 33% अनिवार्य है। यह प्रतिशत समस्त विषयों के प्राप्ताँकों पर आधारित है।

विषय वर्ग	समय	सीट
संख्यिकी	6 सेमेस्टर (3वर्ष)	60

नोट : बी.ए. में विषयों का चयन करते वक्त अग्रलिखित नियम ध्यान से पढें।

- बी0ए स्ववित्तपोषित श्रेणी में द्वितीय विषय गणित लेना अनिवार्य है।

बी0एड0

नोटः– बी.एड. में प्रवेश राज्य संयुक्त प्रवेश परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को राज्य काउसलिंग के उपरान्त महिला विद्यालय आंवटित होने पर ही प्रवेश अनुमन्य है।

S.NO.	COURSE	CLASS	DURATION	SEAT	CODE
1.	Regular	B.ED.	2 Years (4 Semesters)	50	B.ED.

शुल्क विवरण रेगुलर

संकायवार प्रथम वर्ष (1st & 2nd सेमेस्टर) शुल्क विवरण सत्र 2020-21

S. No	Fee Head	B.Sc/ B.HSc	B.A	B.Ed
1	Tuition Fee	0.00	0.00	0.00
2	Admission Fee	3.00	3.00	3.00
3	D.A.	42.00	42.00	42.00
4	Electricity (Fan Fee)	300.00	300.00	300.00
5	Library & Reading Room Fee	3.00	3.00	10.00
6	Development Fee	20.00	20.00	20.00
7	University Enrollment Fee	1000.00	1000.00	1000.00
8	University Examination Fee (Sem 1 & 2)	5000.00	4000.00	5000.00
9	Caution Money Science	150.00	0.00	0.00
10	Caution Money Library	100.00	100.00	100.00
11	Magazine Fee	100.00	100.00	100.00
12	Student Aid Fund	50.00	50.00	50.00
13	Identity Card Fee	50.00	50.00	50.00
14	Campus Security Fee	375.00	375.00	375.00
15	Municipal Taxes	120.00	120.00	120.00
16	Games Fee	50.00	50.00	50.00
17	Art & Craft Fee	0.00	0.00	200.00
18	Annual Day Fee	50.00	50.00	50.00
19	Health Checkup & First Aid Fee	100.00	100.00	100.00
20	Student Association Fee	750.00	750.00	750.00
21	Student Council Fee	250.00	250.00	250.00
22	Green Campus & Clean Campus Fee	500.00	500.00	500.00
	Grand Total	**9013.00**	**7863.00**	**9070.00**

बी0ए0, बी0एस0सी0 एवं बी0एच0एस0सी0 में रू0–240 / प्रयोगात्मक विषय अलग से देय होगा।

शुल्क विवरण स्ववित्तपोषित श्रेणी

संकायवार प्रथम वर्ष (1st & 2nd सेमेस्टर) स्ववित्तपोषित श्रेणी शुल्क विवरण सत्र 2020-21

S. No	Fee Head	B.Sc	B.A
1	Basic Fee	27160.00	27160.00
2	Enrollment Fee	1000.00	1000.00
	Grand Total	**28160.00**	**28160.00**

बी0एस0सी0(स्ववित्तपोषित श्रेणी) हेतुः—

- वार्षिक फीस के अतिरिक्त रू0 2000 फीस प्रति प्रयोगात्मक विषय प्रति वर्ष अलग से देय है।

1. **Physics, Mathematics, Computer Science** :- Rs 28160 + Rs 4000 (Practical Fee of two subject) **= Total Rs 32160/-**
2. **Statistics, Mathematics, Computer Science** :- Rs 28160 + Rs 4000 (Practical Fee of two subject) **= Total Rs 32160/-**
3. **Physics, Mathematics, Statistics** :- Rs 28160 + Rs 4000 (Practical Fee of two subject)
   = Total Rs 32160/-

बी0ए0(स्ववित्तपोषित श्रेणी) हेतुः—

- वार्षिक फीस के अतिरिक्त रू0 1000 फीस प्रति प्रयोगात्मक विषय प्रति वर्ष अलग से देय है।
- महाविद्यालय में शुल्क लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के नियमानुसार ही लिया जायेगा।

आरक्षण एवं भारण

आरक्षण नीति

अभ्यर्थी का चयन मेरिट के आधार पर किया जायेगा परन्तु निम्नलिखित श्रेणी के अभ्यर्थी को शासनादेश/विश्वविद्यालय के अनुसार आरक्षण तथा भारण अनुमन्य है। वे अभ्यर्थी जो अनूसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के है तथा उत्तर प्रदेश राज्य के मूल निवासी है, उन्हें ही आरक्षण का लाभ देय होगा तथा दूसरे राज्यों के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थी को सामान्य अभ्यर्थी की श्रेणी के माने जायेंगे। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होनें अपने आवेदन प्रपत्र में किसी भी भारण या उपश्रेणी की मांग की है, लेकिन सत्यापन के लिये नही पहुँची उन्हें लाभ नही दिया जायेगा। आय प्रमाण पत्र की मूल प्रति व स्वप्रमाणित प्रतिलिपि लाना अनिवार्य है।

अभ्यर्थी वर्ग आरक्षित स्थान		मान्य प्रमाण पत्र हेतु सक्षम अधिकारी
Vertical Reservation		
अनुसूचित जाति	21%	जिलाधिकारी या अपर जिलाधिकारी या परगना मजिस्ट्रेट या तहसीलदार
अनुसूचित जनजाति	02%	तदैव
उ0प्र0 के अन्य पिछड़ा वर्ग	27%	तदैव
संवर्ण वर्ग (EWS)	10%	तदैव
Horizontal Reservation		
1. स्वतन्त्रता सेनानी की पुत्री या पोती	02%	जिलाधिकारी
विकलांग (दृष्टि बाधितों के लिये 1% को सम्मिलित करते हुए)	03%	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
3. लखनऊ विश्वविद्यालय तथा उसके सहयुक्त महाविद्यालयों के शिक्षकों तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की पुत्री	05%	कुल सचिव/प्राचार्या

Weightage/भारणः–

Weightage	भारण	
1. उत्कृष्ट खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर का	5% कुल प्राप्तांक का	प्रमाण पत्र सरकारी (शासकीय मान्यता प्राप्त)
2. उत्कृष्ट खिलाड़ी राज्य स्तर का	2.5% कुल प्राप्तांक का	प्रमाण पत्र सरकारी (शासकीय मान्यता प्राप्त)
3. एन.सीसी 'सी' प्रमाण पत्र	5% कुल प्राप्तांक का	सक्षम अधिकारी
4. एन.सी.सी. 'बी' प्रमाण पत्र	2.5% कुल प्राप्तांक का	सक्षम अधिकारी
5. महिला विद्यालय इण्टर कालेज की अभ्यर्थी	5% कुल प्राप्तांक का	प्राचार्या महिला विद्यालय इण्टर कालेज

नोट :

1. अभ्यर्थी उपरोक्त भारण एवं आरक्षण श्रेणियों में से केवल एक ही श्रेणी का लाभ ले सकता है। यदि कोई अभ्यर्थी एक से अधिक सुविधा श्रेणियों के लिए पात्र है तो उसे अधिकतम लाभ वाली केवल एक श्रेणी को चुनना चाहिए। कोई भी अभ्यर्थी बिना मांग किये स्वतः सुविधा अंक का अधिकारी नहीं होगा।

2. उपरोक्त भारण एवं आरक्षण लाभ पाने के लिए अभ्यर्थी को सक्षम अधिकारी से प्राप्त (हस्ताक्षर एवं मोहर युक्त) प्रमाण पत्र आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना होगा। भारण एवं आरक्षण का प्रमाण पत्र, आवेदन पत्र के साथ ही स्वीकार किया जायेगा। बाद में तत्सम्बन्धी प्रमाण पत्र नहीं स्वीकार किया जायेगा।
3. शासन के नियमानुसार आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता पर रिक्त स्थान उपरोक्त क्रमवार अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों से भरें जायेगें।
4. आरक्षण एवं भारण नीति राज्य सरकार एवं लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा तत्समय जारी नियमों से आच्छादित होगी।

महिला विद्यालय लखनऊ
असतो मा सद्गमय

प्रवेश प्रक्रिया

प्रवेश केवल मेरिट के आधार पर होंगें। प्रवेश समिति द्वारा लिया गया निर्णय अन्तिम एवं मान्य होगा। प्रवेश सूची के संबध में किसी भी प्रकार की विसंगति की सूचना संबधित अभ्यर्थी तत्काल लिखित रूप से कार्यवाहक प्राचार्या को उपलब्ध करायें।

यदि दो या दो से अधिक अभ्यर्थियों ने मेरिट सूची में बराबर अंक/श्रेणी प्राप्त किये है तो प्रवेश के लिये मेरिट का निर्धारण निम्न प्रकार से होगा।

ब–1. यदि अभ्यर्थियों के प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंक बराबर है तो ऐसी स्थिति में पहली वरीयता उस अभ्यर्थी को दी जायेगी जिसने हाईस्कूल या समकक्ष परीक्षा में उच्चतर प्रतिशत प्राप्त किये है।

ब–2. यदि हाई स्कूल में प्राप्त अंक भी बराबर है तो ऐसी स्थिति में आयु में वरिष्ठ अभ्यर्थी को वरीयता दी जायेगी।

1. काउन्सिलिंग की प्रक्रिया में निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होना अनिवार्य है। अनुपस्थित होने पर अभ्यर्थी किसी प्रकार से अपनी मेरिट का दावा नही कर सकेगा।
2. विलम्ब से अपनी उपस्थिति की सूचना देने वाले उच्चतर मेरिट के अभ्यर्थी भी किसी प्रकार से अपनी मेरिट का दावा नही कर सकेगें।
3. महाविद्यालय के आनलाइन फार्म भर लेने मात्र से प्रवेश सुनिश्चित नहीं होगा।
4. यदि कोई छात्रा प्रवेश हेतु काउन्सिलिंग के दिन अनुपस्थित रहती है अथवा चयनित होने के पश्चात् प्रवेश शुल्क निर्धारित तिथि तक जमा नहीं करती है, तो उसका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जायेगा तथा उसके स्थान पर योग्यता क्रम में आने वाली अन्य अगली छात्रा के प्रवेश पर विचार कर लिया जायेगा।
5. प्रवेश हेतु चयनित छात्राओं को निर्धारित तिथि तक प्रवेश शुल्क महाविद्यालय के निश्चित स्थान (सुविधा केन्द्र) पर स्वयं जमा करना अनिवार्य है। अन्य व्यक्ति को शुल्क जमा करने पर महाविद्यालय उत्तरदायी नहीं होगा।
6. खेलकूद, (राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के खेलकूद) एन.सी.सी. तथा महिला विद्यालय इण्टर कालेज की छात्राओं को प्रवेश में वरीयता प्रदान की जायेगी।
7. सभी कक्षाओं में आरक्षण निर्धारित नीति तथा नियमों के आधार पर होगा।
8. बी.ए., बी.एस.सी. तथा बी.काम. द्वितीय वर्ष तथा तृतीय वर्ष की छात्राओं को अपने परीक्षाफल घोषित होने के पन्द्रह दिनों के अन्दर शुल्क जमा करके प्रवेश लेना अनिवार्य है।
9. बी.एड. कक्षाओं में प्रवेश लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर प्राप्त निर्देशों के अनुरूप दिया जायेगा।
10. महाविद्यालय को यह अधिकार सुरक्षित है कि वह किसी भी समय प्रवेश नियमों में परिर्वतन अथवा संशोधन कर सकता है। विद्यालय के पास किसी भी प्रवेश को किसी भी अवस्था में निरस्त करने कर अधिकार सुरक्षित है।
11. यदि कोई अभ्यर्थी अनुचित योग्यता और तथ्यों के आधार पर या त्रुटिवश प्रवेश पाता है तो उसका प्रवेश प्रारम्भ से ही निरस्त माना जायेगा जिस समय भी यह तथ्य उद्घाटित होगें, उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा तथा उसके विरूद्ध नियमानुसार एवं विधिक कार्यवाही भी की जा सकती है।

आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया

स्नातक (यू0जी0) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक सभी आवेदकों को ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म भरना आवश्यक है।

सबसे महत्वपूर्ण निर्देशः–

- जिन आवेदकों के पास अपनी ई–मेल आईडी नहीं है, उन्हें फार्म भरने से पूर्व एक ई–मेल आईडी बनानी होगी।
- आवेदक को इस ई–मेल आईडी को संभाल कर रखना होगा, क्योंकि सम्पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया से सम्बन्धित सभी पत्राचार इसी ई–मेल आईडी से किया जायेगा।

–: ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के चरण :–

- सर्वप्रथम महाविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए लिंक के जरिये आवेदक को IOB पोर्टल पर रु0 600/ऑनलाइन आवेदन पत्र का शुल्क जमा करना होगा।
- ऑनलाइन आवेदन पत्र की फीस जमा करने के बाद आवेदक को ऑनलाइन आवेदन पत्र की रसीद में एक ट्रांजेक्शन आईडी प्राप्त होगी।
- आवेदक को ऑनलाइन आवेदन शुल्क रसीद की ट्रांजेक्शन आईडी का उपयोग करके महाविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए लिंक के साथ B.A. B.Sc. B.Hsc के ऑनलाइन आवेदन पत्र भरना होगा।
- ऑनलाइन आवेदन पत्र के सफलतापूर्वक जमा होने के बाद छात्र को अपनी पूर्व में दी हुयी ई–मेल आईडी पर फॉर्म की एक प्रति प्राप्त हो जाएगी।

–: महाविद्यालय द्वारा मेरिट सूची जारी करना :–

- महाविद्यालय में ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की तारीख समाप्त होने पर इंटरमीडिएट में प्राप्त अंकों के प्रतिशत के आधार पर मेरिट बनायी जाती है। और इसे महाविद्यालय की वेबसाइट एवं महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगाया जाता है।
- महाविद्यालय द्वारा मेरिट लिस्ट वेबसाइट एवं महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगाये जाने के उपरान्त आवेदक को इंटरमीडिएट के अंको के आधार पर मेरिट सूची में अपना नाम स्वयं देखना होगा।

–: काउंसलिंग और दस्तावेजों का सत्यापन :–

आवेदकों को मेरिट सूची में दी गई तारीख/समय पर अपने शौक्षणिक दस्तावेजों के सत्यापन और काउंसलिंग के लिए महाविद्यालय आना होगा।

काउंसलिंग और दस्तावेजों के सत्यापन के समय आवेदकों निम्नलिखित दस्तावेज अपने साथ लाने होंगें।

- ऑनलाइन आवेदन पत्र शुल्क की रसीद की स्वप्रमाणित प्रति।

- ऑनलाइन आवेदन पत्र की स्वप्रमाणित प्रति।
- एक पासपोर्ट आकार का फोटो।
- चरित्र प्रमाण पत्र मूल प्रति।
- आधार कार्ड ऑरिजिनल और एक सेल्फ अटेस्टेड फोटो कॉपी।
- हाई स्कूल मार्क शीट ओरिजिनल और एक सेल्फ अटेस्टेड फोटो कॉपी।
- हाई स्कूल सर्टिफिकेट ऑरिजिनल और एक सेल्फ अटेस्टेड फोटो कॉपी।
- इंटरमीडिएट की मार्कशीट ऑरिजिनल और एक सेल्फ अटेस्टेड फोटो कॉपी।
- इंटरमीडिएट प्रमाणपत्र ऑरिजिनल और एक सेल्फ अटेस्टेड फोटो कॉपी।
- जाति प्रमाणपत्र ऑरिजिनल और एक सेल्फ अटेस्टेड फोटो कॉपी।
- वेटेज एवं आरक्षण प्रमाणपत्र ऑरिजिनल और एक सेल्फ अटेस्टेड फोटो कॉपी।
- मूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) (यदि उम्मीदवार लखनऊ जिले के बाहर से हैं तो DIOS द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित) ऑरिजिनल और एक सेल्फ अटेस्टेड फोटो कॉपी।
- मूल केंद्र प्रमाणपत्र (केंद्र अधीक्षक द्वारा जारी किए गए प्राइवेट अभ्यर्थी केंद्र प्रमाणपत्र के मामले में) ऑरिजिनल और एक सेल्फ अटेस्टेड फोटो कॉपी।
- गैप प्रमाणपत्र (यदि आवश्यक हो) ऑरिजिनल और एक सेल्फ अटेस्टेड फोटो कॉपी।

–: प्रवेश शुल्क जमा करना :–

काउंसलिंग में सफल दस्तावेज सत्यापन के उपरान्त आवेदक को कॉलेज से स्थायी **स्टूडेंट आईडी** प्रदान की जाएगी।

छात्र काउंसलिंग के बाद 72 घंटे के भीतर अपनी **स्टूडेंट आईडी** का उपयोग करके महाविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए लिंक के साथ आईओबी पोर्टल पर प्रवेश शुल्क जमा करेंगें।

महाविद्यालय के नियम और अनुशासन

महिला विद्यालय में अनुशासन व्यवस्था बनाये रखने के लिए प्राचार्या के संरक्षण में अनुशासन समिति गठित है जो छात्राओं में अनुशासन एवं संस्था के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में उनका सहयोग करती है। महाविद्यालय में अनुशासन व्यवस्था को भंग करने की दोषी छात्राओं को दण्डित करने का पूर्ण अधिकार अनुशासन समिति को प्राप्त है।

1. कक्षाएँ प्रारम्भ होने के प्रथम दिवस से ही छात्राओं को निर्धारित यूनिफार्म में आना अनिवार्य है अन्यथा उन्हें महाविद्यालय में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी।
2. प्रत्येक छात्रा को प्रतिदिन महाविद्यालय द्वारा निर्गत परिचय पत्र के साथ आना अनिवार्य होगा। यदि किसी छात्रा का परिचय पत्र खो जाता है। तो उसका दूसरा परिचय पत्र प्राचार्या की अनुमति से एवं निर्धारित शुल्क जमा करने पर ही निर्गत किया जायेगा। द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं को परिचय पत्र का नवीनीकरण कराना अनिवार्य है।
3. खाली पीरियड में पुस्तकालय, वाचनालय, सह शैक्षिक तथा शिक्षणेत्तर गतिविधियों (Curricular & Extra Curricular Activities) सम्बन्धी सुविधाओं से लाभान्वित हो।
4. विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु कक्षाओं में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।
5. सेमेस्टर प्रणाली में प्रत्येक विषय पेपर में 20 अंक के आतंरिक मूल्यांकन में 5 अंक उपस्थिति एवं महाविद्यालय में समय–समय पर होने वाली गतिविधियों में सहभागिता के है।
6. सभी छात्राएं अपनी कक्षा अवधि में कक्षा में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।
7. कक्षा के दौरान बरामदे तथा प्रांगण में अनावश्यक रूप से न घूमे।
8. महाविद्यालय अवधि में छात्राओं को महाविद्यालय परिसर से बाहर जाना वर्जित है।
9. प्राचार्या की अनुमति बिना किसी बाहरी व्यक्ति को छात्रा से मिलना वर्जित है।
10. महाविद्यालय को सुन्दर एवं स्वच्छ बनाये रखने में छात्राओं का सहयोग अपेक्षित है। यदि कोई छात्रा कक्षा या विद्यालय परिसर में पालीथीन, कागज अथवा खाद्य सामग्री फेंकती पायी गयी अथवा दीवारों एवं फर्नीचरों करती पाई गयी तो उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
11. सभी आवश्यक सूचनाएँ विद्यालय के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित की जाती हैं। छात्राओं से अपेक्षा की जाती है कि वे विद्यालय में नियमित रूप से सूचना पट्ट एवं विद्यालय के वेबसाइट देखें अन्यथा वे आवश्यक सूचनाओं सें वंचित रह जायेंगी।
12. अपनी साईकिल या स्कूटी को ताला लगाकर सुरक्षित साईकिल स्टैण्ड में रखें।
13. महाविद्यालय परिसर में छात्राओं द्वारा मोबाइल फोन का प्रयोग आकास्मिक एवं असामान्य परिस्थितियों में ही सुविधा केन्द्र के सामने ही अनुमन्य है कक्षाओं में अथवा परिसर के अन्य स्थानों पर प्रयोग करते पायें जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
14. महाविद्यालय छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिये प्रतिबद्ध है अतः अभिभावकों से अनुरोध है कि वे महाविद्यालय को अपना पूर्ण सहयोग दें जिससे छात्राओं के व्यक्तित्व का पूर्ण विकास सम्भव हो सके।
15. महाविद्यालय में रैगिंग पूर्णतया वर्जित है। रैगिंग कानूनी रूप से संज्ञेय अपराध है। रैगिंग की दोषी छात्रा के विरूद्ध सम्बन्धित थाना में प्राथमिकी दर्ज किये जाने के साथ महाविद्यालय से निष्कासित भी किया जा सकता है। छात्रत्व के दौरान रैगिंग जैसी कुत्सित घटना में सम्मिलित होने पर सम्बंधित छात्रा के विरूद्ध माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
16. प्रत्येक छात्रा से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अनुशासनबद्ध रह कर अनुकूल आचरण अपनायें। अनुशासनहीनता बरतने पर छात्रा के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। जिसमें छात्रा का महाविद्यालय से निष्कासन भी सम्मलित होगा।
17. महाविद्यालय में प्रतिदिन होने वाली प्रार्थना सभा में सभी छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य है।
18. महाविद्याल छात्राओं की शिक्षा, सुरक्षा एवं उनकी समस्याओं के प्रति सजग एवं संवेदनशील है। छात्रायें निःसंकोच अपनी समस्याओं को निःसंकोच प्राचार्या/शिक्षिकाओं को अवगत करा सकती है अथवा परिसर में जगह–जगह सुझाव/शिकायत पेटिका में लिखकर अपनी समस्या बता सकती है।

वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के उपाय

वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव एवं कोरोना के प्रसार को रोकने के लिये छात्राओं को निम्नलिखित उपायों का पालन करना होगा।

1. व्यगतिगत स्वच्छता एवं निर्धारित शारीरिक दूरी (सोशल डिस्टेसिंग)।
2. हाथों को हैंड सैनिटाइजर अथवा साबुन से नियमित अंतराल पर हाथों को साफ करते रहें।
3. किसी से हाथ नही मिलायें।
4. सदैव मास्क लगा कर अथवा दुप्पटे या रूमाल से मुँह एवं नाक ढ़क कर ही विद्यालय आयें।
5. अपने शारीरिक तापमान एवं श्वसन/लक्षणों की जाँच नियमित रूप से करें। अस्वस्थ होने पर चिकित्सक को दिखायें तथा विद्यालय आने से बचें।
6. किसी छात्रा में फ्लू जैसे लक्षण दिखने पर अपनी शिक्षिका/प्राचार्या को तुरंत सूचित करें।
7. अपने मोबाइल में आरोग्य सेतु एप एवं आयुष कवच एप अवश्य डाउनलोड एवं उपयोग करें।
8. छात्रायें अन्य छात्राओं के साथ उनकी पानी की बोतल एवं टिफिन का उपयोग न करें।
9. कोरोना के विषय में कोई अफवाह नही फैलायें।

शैक्षणिक कैलेंडर

Sl.No	Month	Event
1	4th August, 2020	Commencement of Classes(3r& 5th Semester)
2	15th August, 2020	Independence Day
3	5th September, 2020	Teacher's Day, Plantation of Sapling
4	1st October, 2020	Commencement of Classes(1st Semester)
5	2nd October, 2020	Gandhi Jayanti
6	November, 2020	Annual Sports Week
7	December, 2020	Odd Semester Examination
8	January, 2021	Beginning of Even Semester
9	25th January, 2021	Matdata Jagrukta Diwas
10	26th January, 2021	Republic Day
11	16th February, 2021	Basant Panchami, Foundation Day
12	February, 2021	Alumni Meet
13	March, 2021	Annual Day Function "Tarangini"
14	April, 2021	Farewell (Arts, Science, Commerce)
15	May, 2021	Beginning of Even Semester Examination
1	4th August, 2020	Commencement of Classes(3r& 5th Semester)

*In COVID-19 situation there will be changes in the academic calendar as per State Government and University of Lucknow guidelines.

Managing Committee
of Mahila Vidyalaya Degree College, Lucknow.

President
Shri. Alok Ranjan, IAS (Retd.)
Former Chief Secretary, Government of U.P.
Former Chief Advisor to the Chief Minister of U.P.

Senior Vice President
Dr. Rashmi Roy Chaudhary
Former Professor of Botany,
University of Lucknow.

Junior Vice President
Dr. Anand Kumar Srivastava
Former Professor of Geology,
University of Lucknow.

Honorary Secretary cum Manager
Dr. Anil K. Srivastava
Principal Advisor, Quality Council of India
& Former Professor of Statistics
University of Lucknow.

Assistant Secretary/Assistant Manager
Shri. Shashi Srivastava
Social Worker.

Treasurer
Shri. S.D. Sawant
Former Chief Manager,
State Bank of India.

Members of Managing Committee

1.Smt. Bulbul Godiyal, Advocate, Former Additioanal Advocate General of U.P.
2.Dr. Usha Sinha, Former Professor of Linguistics, University of Lucknow.
3.Dr. Smt. Kavita Seth, Senior Scientist, IITR, Lucknow.
4.AVM Rameshwar Nath, (Retd.), Former Air Force Officer.
5.Smt. Rachna Mathur, Social Worker.
6.Shri. R.K. Saxena, Former Joint Secretary & OSD to the Governor of U.P.
7.Shri. Kuldeep Mathur, Former Assistant General Manager, Food Corporation of India.
8.Shri. G.P. Srivastava, Former Chief Town Planner, Lucknow Development Authority.
9.Shri. Shantanu Kumar, Deputy Station Manager, North Eastern Railway, Lucknow.
10. Shri. Arvind Pradhan, Former Joint Secretary, Government of U.P
11. Dr. Dinesh Kumar, Former Professor of Botany, University of Lucknow.
12. Dr. Anjan Banerjee, Former Deputy Comptroller & Auditor General of India.

Principal
Smt. Nisha Gupta,
Associate Professor,
Department of Home Science.

Teacher Representative
1.Dr. Rita Shekhar, Department of Botany
2.Dr. Shachi Srivastava, Department of English
3.Dr. Meeta Rani, Department of Physics
4.Dr. Vandana Singh, Department of Home Science

Non-Teaching Representative
1. Sri. Arun Verma

Principal

Mrs. Nisha Gupta,
Associate Professor,
Department of Home Science.

Teaching Staff

ARTS

Hindi
Dr. Sushma Sahu, M.A. Ph.D.
Dr. Neelam Srivastava, M.A. Ph.D
Mrs. Kritika Singh, M.A. B.ED

Sanskrit
Dr. Ritu Singh, M.A. Ph.D

English
Dr. Shachi Srivastava, M.A. Ph.D
Dr. Pankaj Bala Srivastava, M.A. English, Ph.D., L.L.B., D.P.A., PGDCA.

History
Dr. Meenu Mishra, M.A. Ph.D

Philosophy
Dr. Vineeta, M.A. Ph.D

Political Science
Dr. Nidhi Prakash, M.A. Ph.D

Education
Dr. Anita Verma, M.A. M.ED, Ph.D
Dr. Ranjana Agarwal, M.A. M.ED, Ph.D
Mrs. Arshi Ayub Ansari, M.A., B.Ed.,Net Qualified

Anthropology
Dr. Shobhna Nagar, M.A., Ph.D , Net Qualified (Twice)
Proficiency in English and French Language

Ancient Indian History
Dr. Sushmita Tripathi, M.A., Ph.D
Dr. Anjana Sinha, M.A., Ph.D

Home Science
Mrs. Nisha Gupta, M.Sc. (H.Sc.)
Mrs. Ruchira Rathore, M.Sc. (Food & Nutrition)

Psychology
Dr. Pramila Tiwari, M.A., Ph.D

Urdu
Dr. Bushra Bano, M.A., Ph.D

Economics
Mrs. Indra Shukla, M.A., M.A. (Special)
Mrs. Anjali Sharma, M.A.

Sociology
Dr. Suman Singh, M.A., Ph.D
Dr. Uttara Yadav, M.A., Ph.D
Mrs. Jaya Pandey, M.A., Net

COMMERCE

Dr. Amita Saxena, M.Com (Appl. Eco.), Ph.D, D.Litt.

B.Ed

Ms. Asha Pandey, M.Sc., M.ED.
Dr. Roli Prakash, M.A., M.Ed., Ph.D
Dr. Usha Kumari, M.Sc., M.Ed., Ph.D
Dr. Rashmi Srivastava, M.A., M.Ed., Ph.D

Science

Physics
Dr. Meeta Rani, M.Sc., Ph.D
Dr. Sangita, M.Sc., M.Tech., M.Phil.,Ph.D
Dr. Parul Yadav, M.Sc, Ph.D

Chemistry
Dr. Sangeeta Srivastava, M.Sc., Ph.D.
Dr. Reena Khare, M.Sc., B.ED., Ph.D.
Dr. Qudsia Bano, M.Sc., Ph.D.
Capt. Usha Rani Singh, M.Sc., Ph.D.
Dr. Pragya, M.Sc., Ph.D.
Dr. Neena Srivastava, M.Sc., Ph.D.
Dr. Ritu Swamini Bala, M.Sc., Ph.D.

Mathematics
Dr. Deepti Singh, M.Sc., Ph.D.
Dr. Rama Jain, M.Sc., Ph.D.
Dr. Krishna Yadav, M.Sc., Ph.D.

Botany
Dr. Reeta Shekhar, M.Sc., Ph.D.
Dr. Vineeta Tiwari, M.Sc., Ph.D.
Dr. Pallavi Dixit, M.Sc., Ph.D.

Zoology
Dr. Samta Jauhari, M.Sc., Ph.D.

Home Science
Dr. Savita Ahluwalia, M.Sc., (Home Science)Ph.D.
Dr. Vandana Singh, M.Sc., (Home Science)Ph.D.
Mrs. Leena, M.Sc., M.Phil

Non-Teaching Staff

Main Office

1. Sri. Atul Kumar Srivastava, Office Superintendent
2. Smt. Archana Srivastava, Stenographer
3. Sri. Raju, Assistant Accountant (Suspended)
4. Sri. Maneesh Mathur, Junior Assistant
5. Sri. Ajay Kumar Pandey, Junior Assistant
6. Sri. Abhinav Kant, Junior Assistant
7. Sri. Sunil Kumar, Junior Assistant

Library

1. Sri Sudha Shankar Maurya, Library Assistant
2. Smt. Madhu, Library Assistant
3. Sri. Neeraj Pandey, Library Assistant
4. Sri. Suresh Kumar, Peon
5. Sri. Pankaj Srivastava
6. Sri. Roop Chandra
7. Sri. Ram Pal

Peon

1. Sri. Jagroop Singh Yadav
2. Sri. Ram Charan
3. Sri. Mithilesh Kumar Srivastava
4. Sri. Jagdev Prasad
5. Sri. Vijay Kumar Maurya
6. Sri. Ram Sewak, Gardener

Lab Assistants

1. Sri. Ram Ugrah
2. Smt. Meera Yadav
3. Sri. Narendra Singh
4. Sri. Udai Singh Yadav
5. Smt. Renu Srivastava
6. Sri. Arun Verma
7. Sri. Harikesh K. Yadav

Lab Bearers

1. Sri. Prem Chandra
2. Sri. Gopal
3. Sri. Santosh Kumar
4. Sri. Vivek Kumar

Sweeper

1. Sri. Manoj

कुलगीत

विद्या का प्रकाश फैलाता, यह महिला विद्यालय प्यारा।।

नयी उमंगे भरने वाला, हमे साहसी करने वाला,
यह महिला विद्यालय प्यारा।।

असतो मा सद्गमय सिखाता, जीवन सार्थक सफल बनाता,
यह महिला विद्यालय प्यारा।।

अक्षय विद्या भवन हमारा, जिसने पल–पल हमें संवारा,
यह महिला विद्यालय प्यारा।।

सबको सम होकर अपनाता, जगभर में अनुपम
कहलाता, यह महिला विद्यालय प्यारा।।

विद्या का प्रकाश फैलाता,
यह महिला विद्यालय प्यारा।।